औरंगाबाद के लोकमत भवन में बैंक ऑफ बड़ोदा की ओर से (बाएं से) फरहाद शेख, राहुल कवड़े, संचितानंद मिश्रा, उत्सव हेलंबकर, सावन कुमार, पवन सोनवणे, समद खान, आनंद पांसे, दीपा सांगियानी, रंजन लेले, निहारिका अक्षिंतला, अनुजा केंद्रे, छाया चौरे, मनीषा घोड़ेकर. नीचे बैठे हुए (बाएं से) अमोल महाजन, पारितोष पवार, साहिल आर्य, रोहित कांबले, राहुल कोटांगले, तानाजी ढोलदार, अमृता मगर, सरिता भिसे.

औरंगाबाद के लोकमत भवन में सवेरा ग्रुप की ओर से (बाएं से) अभिजीत क्षीरसागर, उमेश सातारके, सुनील बागुल, अतुल वंडागले, अभिजीत चव्हाण, प्रतीका चटर्जी, राहुल गायकवाड़, नीलेश सोमवंशी, किशोर राजपूत, गोपाल नवसारे, नवनाथ सुरासे, अविनाश राजपूत, महेश अंकुश, धीरज पाटील, मारोति चिरलेगे, राजेंद्र काटे, स्वरुप शेरकर, सुहास मुले, महादेव प्रधान, विष्णु माजलकर, ज्ञानेश्वर विंधे.

मशीनी अंदाज में नहीं, पूरी तैयारी से जाएं मैराथन में

फिटनेस ट्रेनर प्रीति भानुशाली ने दिया मंत्र

औरंगाबाद। 7 दिसंबर। लोस सेवा

मशीन की तरह उठ कर तुरंत भागना भी नुकसानदायक हो सकता है. पूरा 'प्रोसीजर फॉलो' करें. हम लोग चार-पांच माह पहले ही ट्रेनिंग शुरु कर देते हैं. यदि आप शौकिया रनर भी हैं, तो कम से कम एक सप्ताह पहले से तैयारी करें. ताकि आपका जोश और ऊर्जा कायम रहे. कितनी भी अच्छी फिटनेस हो, तैयारी पहले करना और न्यूट्रीशियन की पूरी जानकारी होना अत्यावश्यक है.

यह मंत्र हैं फिटनेस ट्रेनर प्रीति भानुशाली के. उनके मुताबिक मैराथन के एक दिन पहले का दिन बहुत जरूरी होता है. कब उठेंगे, आपने कितनी कसरत की है, क्या खाया है आदि बातों का ध्यान रखना जरूरी है. लोग इसके लिए तैयार नहीं होते. दरअसल सुबह उठने के दो घंटे व्यक्ति के महत्वपूर्ण होते हैं और इन दो घंटों में अचानक की गई कोई भी शारीरिक गतिविधि फायदे की बजाए नुकसान भी पहुंचा सकती है. बिना वार्मअप के मैराथन नहीं करनी चाहिए.

सुरक्षा के लिए सारे मानकों का पालन करना जरूरी है. सिर्फ देखा-देखी भागने से अच्छा है, इसके लिए आवश्यक तैयारी करें, इससे आपका 'परफार्मेंस' अच्छा रहेगा. सोसाइटी में इस बात को लेकर वैसे भी जागरुकता नहीं है. हम अपने शहर का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं तो इस बात का ख्याल अवश्य रखें. आम आदमी मैराथन का सही मतलब नहीं जानता. इसके लिए कुछ समय तकतैयारी भी करना आवश्यक होता है. अपने शरीर के हिसाब से दौड़ें और इसके लिए पहले से प्रयास करें. आज पांच किलोमीटर है, तो आगे बढ़ने के लिए प्रयास करें. कुछ बातों का ख्याल रखें तो मैराथन एक अच्छा अनुभव होगा, ऊर्जा और जोश

आपको प्राप्त होता है. हमारे शहर में मैराथन का 'कल्चर' बहुत अच्छा डवलप हो रहा है. हम 'वार्मअप, कूल डाउन करवाते हैं', इससे बहुत अच्छा लगता है कि लोग सक्रिय हैं.

अब और शानदार होगी मैराथन

लोकमत से जुड़कर गर्व होता है. रिलेक्स-जील फिटनेस पार्टनर के रुप में तो जुड़ा हुआ ही है. पिछले साल की सक्सेस के बाद इस बार शहरवासियों में मैराथन को लेकर बड़ा क्रेज दिख रहा है.लोगों को ट्रेनिंग देने के लिए हमारी स्पेशल टीम काम कर रही है. शुरुआत से ही हमारा उद्देश्य लोगों को फिटनेस के लिए प्रेरित करने का रहा है और हम लगातार इसी पर काम कर रहे हैं.

- संजय पाटील, डायरेक्टर रिलेक्स-जील

हम भी हैं जोश में...

Brought to you by SAFFRON LANDMARKS
Aurangabad Maha Marathon
A LOKMAT INITIATIVE
17 Dec 2017
21km
Associate Sponsor riso Ricebran Oil
Powered by DHOOT TRANSMISSION
#MahaMarathon /MahaMarathon

बुकिंग के लिए संपर्क करें

महामैराथन में अपना हिस्सा जल्द से जल्द निश्चित करें. इसके लिए पंजीयन लोकमत भवन, रीगल लॉन, जालना रोड में सुबह ग्यारह बजे से शाम पांच बजे तक कराया जा सकता है. स्पर्धा में स्कूल, महाविद्यालय, कंपनी के कर्मचारी, रनर्स ग्रुप भी एकत्रित रूप से पंजीयन करा सकते हैं. मैराथन में पंजीयन कर अधिक से अधिक धावक, नागरिक भाग लें.

स्पर्धा
- Half Marathon - 21 Kms
- Power Run - 10 Kms
- Fun Run - 5 Kms
- Family Run - 3 Kms

मैराथन की अधिक जानकारी व नियमों के लिए लिए 9921030700, 0240-3021708 नंबर पर संपर्क किया जा सकता है. महामैराथन में भाग लेने के लिए लोकमत भवन, जालना रोड पर सुबह ग्यारह से शाम पांच बजे के बीच संपर्क करें.

दो दिवसीय 'तामीर-ए-मुआशरा' कांफ्रेंस कल से

औरंगाबाद। 7 दिसंबर। लोस सेवा

इस्लामी विद्वान हजरत अल्लामा सैयद अब्दुल्लाह तारीक भी आएंगे

स्थानीय कुरान हाउस की ओर से आगामी नौ दिसंबर से दो दिवसीय 'तामीर-ए-मुआशरा' कांफ्रेंस का आयोजन किया गया है.

जाने-माने इस्लामी विद्वान उत्तर प्रदेश के रामपुर निवासी हजरत अल्लामा सैयद अब्दुल्लाह तारीक की उपस्थिति में होने वाले सम्मेलन के पहले सत्र में नौ दिसंबर को सुबह दस से दोपहर एक बजे के बीच स्थानीय मजनूं हिल स्थित मौलाना आजाद रिसर्च सेंटर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. हजरत मौलाना सदरुल हसन नदवी मदनी की अध्यक्षता में होने वाले कार्यक्रम में हजरत अल्लामा सैयद अब्दुल तारीक अपने विचार रखेंगे. इस अवसर पर अन्य वक्ताओं में जमात-ए-इस्लामी हिंद के शहर अध्यक्ष मौलाना हाफिज इलियास खान फलाही, जाने-माने मनोविकार विशेषज्ञ डॉ लईक उररहमान खान मार्गदर्शन करेंगे.

कार्यक्रम का दूसरा सत्र नौ दिसंबर को ही 'मगरीब की नमाज' के बाद बुढ्ढी लेन स्थित नेहरू भवन में होगा. अमीर-ए-शरीयत हजरत मुफ्ती मोईजउद्दीन कासमी की अध्यक्षता में होने वाले कार्यक्रम में सेवानिवृत्त मुख्य आयकर अधिकारी अकरम जब्बार खान और हजरत अल्लामा सैयद अब्दुल्लाह तारीक मार्गदर्शन करेंगे. तीसरा सत्र दस दिसंबर को सुबह दस से दोपहर एक बजे के बीच स्थानीय निराला बाजार स्थित तापड़िया नाट्यमंदिर में होगा. जाने-माने मनोविकार विशेषज्ञ डॉ अब्दुल अजीज अहमद कादरी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में हजरत अल्लामा सैयद अब्दुल्लाह तारीक, अकरम जब्बार खान, न्यायमूर्ति शेलके, 'जमात-ए-इस्लामी हिंद' के अब्दुल वाजिद कादरी आदि मार्गदर्शन करेंगे.

सम्मेलन के लिए स्वागत कमेटी का गठन किया गया है. स्वागत कमेटी में ख्वाजा शहाबउद्दीन, कारी अब्दुल्लाह मारकोनी, कैसर खान, काजी नौशादउद्दीन नदवी, हाफिज मुश्ताक अहमद के अलावा अतिथियों के रूप में मौलाना आजाद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मकदूम फारुकी, नवखंडा कॉलेज के प्राचार्य डॉ मजहर फारुकी, अब्दुल हुसैन फजल अब्बास, मंजूर अहमद खान, शोएब खुसरो, शारीक नक्शबंदी आदि उपस्थित रहेंगे. इस अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहने का आह्वान जामिया इस्लामिया काशिफ उल उलूम के मौलाना मोईजउद्दीन फारुकी नदवी, मौलाना नसीमउद्दीन मिफ्ताही, वाजिद अली खान, हाफिज इकबाल अंसारी, जहीरउद्दीन सिद्दीकी और कुरान हाउस के हाफिज इमरान खान ने किया है.

दसवीं के प्रमाण-पत्र का आज वितरण

औरंगाबाद। 7 दिसंबर। लोस सेवा

संभागीय शिक्षा मंडल कार्यालय की ओर से मार्च 2017 की परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों के मूल प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट) का वितरण स्कूलों के प्रबंधन को 8 दिसंबर को सुबह 11 से 5 बजे के बीच किया जाएगा. बोर्ड कार्यालय ने बताया कि मार्च 2018 में होने वाली लिखित परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदन करने वाले विद्यार्थियों की सूची व शुल्क संबंधित स्कूल बोर्ड कार्यालय में 8 दिसंबर को जमा करेंगे. इसी दिन मार्च 2017 में उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों को मूल प्रमाण-पत्र का वितरण बोर्ड कार्यालय स्कूलों के प्रबंधन को करेगा. संकलन केंद्र पर इस सामग्री का वितरण किया जाएगा.

मुआवजे के लिए किसानों का मोर्चा 11 को

औरंगाबाद. डीएमआईसी के लिए अधिग्रहीत जमीन के मुआवजे के लिए 11 दिसंबर को जिलाधिकारी कार्यालय के सामने किसानों का मोर्चा निकाला जाएगा. यह जानकारी अन्नदाता किसान संगठन के अध्यक्ष जयाजी सूर्यवंशी ने दी है. यह मोर्चा क्रांति चौक से निकाला जाएगा.

सुनील मगरे की एकतरफा जीत, पहला परिणाम

एससी प्रवर्ग उत्कर्ष पैनल का खुला खाता; विवि सीनेट की मतगणना जारी, शेष परिणाम शुक्रवार दोपहर तक

औरंगाबाद। 7 दिसंबर । लोस सेवा

डॉ बाबासाहब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय के स्नातक सीनेट चुनाव का पहला परिणाम गुरुवार की देर रात जारी हुआ जिसमें एससी प्रवर्ग में उत्कर्ष पैनल की ओर से चुनाव लड़ रहे प्रोफेसर सुनील मगरे ने एकतरफा जीत दर्ज की.उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को 7419 मतों से हराया.आरक्षित प्रवर्ग के अन्य उम्मीदवारों के वोटों की गिनती देर रात तक जारी रही.

जीत के बाद प्रोफेसर मगरे समर्थकों ने विवि प्रवेश द्वार के सामने विजयी जुलूस निकाला. आतिशबाजी के बीच फूल मालाओं से लदे विजयी उम्मीदवार मगरे ने डा बाबा साहेब आंबेडकर की प्रतिमा का अभिवादन किया. इसके साथ ही समर्थकों ने उत्साह के साथ कार्यालय पहुंचकर उन्हें जीत की बधाई और शुभकामनाएं दी. विवि स्नातक सीनेट की दस सीटों के लिए मतगणना 7 दिसंबर को सुबह 8 बजे से शुरु हुई. इसमें दिन भर 25 टेबलों पर वैध और अवैध वोटों की गिनती की गई,इसके बाद शाम सात बजे से प्रत्यक्ष मतगणना कार्य शुरु हुआ. रात 11.30 पर पहला परिणाम आया,बाकी परिणाम शुक्रवार दोपहर तक आने की उम्मीद है. पहले आरक्षित प्रवर्ग के वोटों की गिनती के बाद ओपन प्रवर्ग के पांच सीटों के लिए मतगणना कार्य शुरु किया जाने वाला है जिसके लिए लंबा समय लग सकता है.

औरंगाबाद में गुरुवार को सीनेट चुनाव की मतगणना विवि के खेल विभाग सभागृह में जारी रही. दूसरे चित्र में उम्मीदवार व प्रतिनिधियों को मत-पत्रिकाएं दिखाते अधिकारी. अंतिम चित्र में उत्कर्ष पैनल के विजयी उम्मीदवार सुनील मगरे.

विवि के खेल विभाग के बैडमिंटन हॉल में गुरुवार, 7 दिसंबर को सुबह 8 बजे से मतगणना का कार्य शुरू हुआ. इस अवसर पर उम्मीदवार और उनके दो प्रतिनिधि तथा मतगणना कर्मचारियों को मतगणना कक्ष में प्रवेश दिया गया. इसके लिए विवि प्रशासन ने 16 सीसीटीवी कैमरे, लाउडस्पीकर, पंडाल, एलसीडी स्क्रीन, निजी सुरक्षा, पुलिस बल, जनरेटर, शिफ्टवाइज मतमणना कर्मचारी आदि के पुख्ता इंतजाम किए थे. हर शिफ्ट में 125 अधिकारियों ने मतगणना कक्ष में कार्यभार संभाला.

कुलसचिव तथा चुनाव निर्णय अधिकारी डॉ साधना पांडे, कुलपति डॉ बीए चोपड़े व विशेष कार्य अधिकारी डॉ वाल्मीक सरवदे ने मतगणना कार्य का समय-समय पर जायजा लिया. स्नातक सीनेट चुनाव में पांच सीटें ओपन कैटेगरी से, अन्य पांच सीटें आरक्षित कैटेगरी से हैं. इस चुनाव मैदान में 59 उम्मीदवार हैं. विवि की स्नातक सीनेट की दस सीटों के लिए सोमवार, 4 दिसंबर को सुबह 8 से 5 बजे के बीच मतदान हुआ था. इसके लिए चार जिलों में 56 मतदान केंद्र व कुल 83 बूथों पर 58.21 प्रतिशत मतदान हुआ था. इस चुनाव के लिए कुल 29 हजार 8 मतदाता थे, जिसमें 16 हजार 885 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था. इस चुनाव में कैटेगरी वाइज अलग - अलग रंग की मतपत्रिका का प्रयोग किया गया था. पसंदीदा क्रम के अनुसार यह मतदान हुआ है. इस चुनाव में बड़े पैमाने पर यानी हजारों की संख्या में अवैध वोट मिले हैं. सुशिक्षित युवाओं ने भी बड़े पैमाने पर वोट के दौरान गलतियां की हैं. भांति- भांति के किस्से मतपत्रिकाओं पर देखने को मिले.

स्नातक सीनेट ओपन कैटेगरी में सर्वाधिक 33 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं. उसके बाद अनुसूचित जाति कैटेगरी से 9 उम्मीदवार, अनुसूचित जाति कैटेगरी से 3 उम्मीदवार, एनटी कैटेगरी से 5 उम्मीदवार, ओबीसी कैटेगरी से 4 उम्मीदवार, महिला कैटेगरी से 5 उम्मीदवार चुनाव मैदान में अपना भाग्य आजमा रहे हैं.

इस चुनाव में उत्कर्ष पैनल, विवि विकास मंच, स्नातक परिवर्तन मोर्चा, मराठवाड़ा संघर्ष समिति ने विवि बचाव पैनल और युवा सेना व भारतीय विद्यार्थी सेना ने शिवशाही पैनल व अन्य निर्दलीय बड़े पैमाने पर अपना भाग्य आजमा रहे हैं. मतगणना का कार्य पूरा होने में शुक्रवार दोपहर तक का समय लग सकता है, ऐसी जानकारी सूत्रों ने दी.

सम्मान • कार्यक्रम में राजनीतिक व्यंग्य के बाण भी चले, वर्षगांठ पर स्पर्धाओं का सिलसिला

सालगिरह पर याद किए गए पूर्व महापौर

औरंगाबाद। 7 दिसंबर। लोस सेवा

मनपा की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू हो गया. आज दोपहर सिद्धार्थ उद्यान प्राणि संग्रहालय में सभी पूर्व महापौरों के सम्मान का कार्यक्रम रखा गया था. इस अवसर पर उपस्थित लगभग एक दर्जन पूर्व महापौर सम्मानित किए गए.

विभिन्न राजनीतिक दलों के धुरंधर जब एक मंच पर आ जाएं, तो फिर राजनीतिक व्यंग्य बाण चलने की आशा भी बंध जाती है. शिवसेना के महानगर प्रमुख और पूर्व महापौर रहे प्रदीप जायस्वाल ने अपने विचार रखते हुए जहां पर यह नसीहत दे डाली कि सभी कानून का पालन करें और अधिक से अधिक समय नागरिकों की सेवा में लगाएं. दूसरी ओर पूर्व महांपौर मनमोहन सिंह ओबेराय ने अपने चिर-परिचित अंदाज में कइयों को निशाने पर लिया.

जायस्वाल के कानून पालन करने के बयान पर उन्होंने यह कहकर सभी को हंसा दिया कि कानून का उल्लंघन करने के बाद ही वर्तमान में लोग बड़े नेता बनते हैं. इसके बाद उन्होंने महापौर नंदकुमार घोड़ेले को भी नहीं बख्शा. उन्होंने कहा कि एक ही घर में दो महापौर का कारनामा तुम ही अंजाम दे सकते हो. उन्होंने लगे हाथ घोड़ेले को औरंगाबाद मध्य से विधायक का चुनाव लड़ने की सलाह भी दे डाली. साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि वह महापौर बनने के बाद विधायक के लिए प्रयासरत थे, लेकिन उनकी कोशिश पूरी नहीं हुई. हम तो सिर्फ 'अबकी बार मैं ही' कहकर रह गए.

ओबेरॉय ने कहा कि घोड़ेले का जनसंपर्क अच्छा है और मौका भी है. इस तरह के मौके बार-बार नहीं मिलते. ओबेरॉय के व्यंग्य बाणों पर कुछ जवाब पूर्व महापौर अशोक सायन्ना यादव ने भी देने का प्रयास किया.

इस अवसर पर पूर्व महापौर सुदाम सोनवणे पाटील, बापू घड़ामोड़े और प्रभारी आयुक्त जिलाधिकारी नवलकिशोर राम ने भी अपने विचार रखे.

दो पूर्व महापौर वर्तमान के पदाधिकारी

सम्मानित होने वाले दो पूर्व महापौर वर्तमान में भी किसी न किसी कुर्सी पर विराजमान हैं. महापौर नंदकुमार घोड़ेले ने यह बात स्पष्ट की. यह पूर्व महापौर गजानन बारवाल और विकास जैन हैं, जो वर्तमान में क्रमश: स्थाई समिति के सभापति और सभागृह नेता हैं.

इस अवसर पर मनपा के पहले महापौर शांताराम काले, सुनंदा कोल्हे, शीलाताई गुंजाले, रुक्मिणीबाई शिंदे, अनीता घोड़ेले, बापू घड़ामोड़े आदि उपस्थित थे. कार्यक्रम के अंत में उप महापौर विजय औताड़े ने आभार व्यक्त किया.

औरंगाबाद में गुरुवार को सिद्धार्थ उद्यान प्राणि संग्रहालय में आयोजित सम्मान कार्यक्रम के पहले जल्द ही विदा होने वाली मादा हथिनियों को कुमकुम लगाकर पूर्व महापौरों ने विदाई दी. दूसरे चित्र में विजयी रन बनाते महापौर नंदकुमार घोड़ेले.

आनंद नगरी

मनपा की महिला कर्मचारियों की ओर से आयोजित आनंद नगरी का उद्घाटन महापौर नंदकुमार घोड़ेले ने किया. इस अवसर पर नगरसेविका कीर्ति शिंदे, समीना शेख, सुरेखा सानप, शिल्पारानी वाड़कर आदि उपस्थित थे. आनंद नगरी में 'वड़ा-पाव', 'साबूदाना-वडा', 'दाबेली', 'वड़ा सांबर', 'पानी पूरी' आदि व्यंजन रखे गए थे. आनंद नगरी का प्रबंधन विधि सलाहकार अपर्णा थेटे तथा रीता बांधेकर ने किया था.

महापौर ने जीता मुकाबला

मनपा की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आज सुबह मनपा मुख्यालय में महापौर और पत्रकारों के बीच हुए क्रिकेट मुकाबले में महापौर की टीम को जीत हासिल हुई. महापौर नंदकुमार घोड़ेले ने अपनी टीम को जिताने में अहम भूमिका निभाई. महापौर की टीम में जहां उपमहापौर विजय औताड़े, सभापति गजानन बारवाल, सभागृह नेता विकास जैन, नगरसेवक प्रदीप बुरांडे, नासेर सिद्दीकी, भाऊसाहब जगताप शामिल थे, वहीं पत्रकार व अधिकारियों की संयुक्त टीम में अतिरिक्त आयुक्त श्रीकृष्ण भालसिंह, शहर अभियंता एसडी पानझड़े, दत्ता सांगले, माधव इतबारे, चंद्रशेखर कुलकर्णी, मुजीब देवणीकर, कार्यकारी अभियंता हेमंत कोल्हे, एमबी काजी, उपायुक्त वसंत निकम, रवींद्र निकम थे. इस टीम ने 57 रन बनाए, जबकि महापौर ने तीस रन बनाकर जीत हासिल करने में अहम भूमिका निभाई.

बाबरी मस्जिद को लेकर जनजागरण समिति ने की मांग

औरंगाबाद। 7 दिसंबर। लोस सेवा

जनजागरण समिति की ओर से आज मांग की गई कि बाबरी मस्जिद को लेकर लिब्राहन आयोग की सिफारिशों को सामने रखकर मामले की सुनवाई उच्चतम न्यायालय में जल्द से जल्द की जाए.

इस संबंध में समिति की ओर से एक ज्ञापन संभागीय आयुक्तालय के माध्यम से उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति को ज्ञापन भेजा गया. ज्ञापन में न्याय की अपेक्षा व्यक्त करते हुए मामले की सुनवाई जल्द से जल्द पूरी करने की मांग की गई.

इस अवसर पर पूर्व नगरसेवक मोहसिन अहमद, इब्राहीम पटेल, रमजानी खान, मीर हिदायत अली, मोहम्मद फजलुल्लाह, मोमीन अयूब, राधाकिशन पंडित, आबेदा बेगम, सलाम बानो, शमशाद बेगम, सिद्दीकी नईम सुलताना, गजाला जमादार, इकबालसिंह गिल्ला, नाजीमोद्दीन, मुदस्सर अंसारी उपस्थित थे.

बाल साहित्य सम्मेलन 10 को

औरंगाबाद। 7 दिसंबर। लोस सेवा

मुंबई स्थित महाराष्ट्र राज्य साहित्य एवं संस्कृति मंडल एवं औरंगाबाद के समर्थनगर स्थित श्री वरद गणेश वाचनालय के संयुक्त तत्वावधान में 10 दिसंबर को सुबह 9 से 5 बजे के बीच वाचनालय के मैत्रेयी सभागृह में बाल साहित्य सम्मेलन का आयोजन किया गया है.

इस अवसर पर बुलढाना के नरेंद्र लांजेवार सुबह 11 बजे सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे एवं पुणे के लम कडू कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे. बतौर प्रमुख अतिथि भारत सासणे एवं ज्योतिराम कदम प्रमुखता से उपस्थित रहेंगे. चार सत्रों में होने वाले इस सम्मेलन के पहले सत्र में सुबह 11.30 से 1 बजे तक बाल साहित्य कैसा हो इस विषय पर आयोजित परिसंवाद में चुनिंदा विद्यार्थी चर्चा करेंगे. साथ ही अद्भुत रम्यता की नई दिशा विषय पर आयोजित परिसंवाद में विद्या सुर्वे, बबन शिंदे, किरण केंद्रे, एकनाथ आव्हाड़ एवं गिरीधर पांडे आदि बाल साहित्यकार चर्चा करेंगे. सम्मेलन के दूसरे सत्र में दोपहर 2 से 3 बजे के बीच कथा कथन एवं काव्यपाठ का कार्यक्रम आयोजित किया गया है तथा तीसरे सत्र में बाल साहित्यकार सोनाली गावड़े का साक्षात्कार होगा. अभ्युदय फाऊंडेशन की ओर से आयोजित सुंदर माझी शाला संगीत कार्यक्रम का प्रस्तुतिकरण किया जाएगा.

संदीप दलवी बाल साहित्य पुरस्कार सोनाली गावड़े को घोषित

बाल साहित्य सम्मेलन में 'माझी दैनंदिनी' पुस्तक की लेखिका सोनाली नामदेव गावडे का साक्षात्कार होगा. साहित्य क्षेत्र में प्रतिष्ठा का एवं शिवार प्रतिष्ठान की ओर से दिया जाने वाला संदीप दलवी बाल साहित्य पुरस्कार सोनाली गावड़े को घोषित हुआ है. पुरस्कार का स्वरूप पाच हजार रुपए स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र है.

आता प्रथमच सेक्स समस्यांवर अत्याधुनिक विदेशात प्रचलित लेझर व व्हॅक्युम थेरेपी उपचार
विवाहापुर्वी व विवाहानंतर समस्यांसाठी एम.बी.बी.,एस.एम.डी. डॉक्टरांचा सल्ला
हस्तमैथुन, स्वप्नदोष, विर्यदोष, शिघ्रपतन, इंद्रीय शिथिलता, पुरुष वंधत्व
हायपोगोनॅडिझममुळे इंद्रीय समस्या, मधुमेहामुळे आलेली लैगिंक शिथीलता
ऑलीगोस्पर्मीया : शुक्रजंतुची संख्या कमी असणे. ॲझुस्पर्मीया: शुक्रजंतुची संख्या अजीबात नसणे.

आशाकिरण क्लिनीक
१९८५ पासुन शास्त्रीयोक्त मार्गदर्शन केंद्र
३८, निराला बाजार, बाटा शोरुम समोर, औरंगाबाद. वेळ - स.११ ते ३ व सायं.७ ते ९ शनिवार रविवार बंद
कृपया अनावश्यक खर्चीक व फसव्या उपचारापासुन सावध मो. 7769856821 9767132521